Roll No. : ..... Total Pages : 4

SAN8122T

M.A. FIRST SEMESTER (NEP) EXAMINATION - 2023

SANSKRIT

(साहित्यशास्त्र-साहित्यदर्पण)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 80

खण्ड-अ *[Marks :16]*

सभी आठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **50** शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब *[Marks :40]*

*प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
*प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **250** शब्दों से अधिक न हो। **सभी** प्रश्नों के अंक **समान** हैं।*

खण्ड-स *[Marks :24]*

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर **50** शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का है।

(क) आचार्य विश्वनाथ किस सम्प्रदाय के प्रवर्तक आचार्य हैं?

(ख) आचार्य विश्वनाथ के अनुसार काव्य का लक्षण क्या है?

(ग) आचार्य विश्वनाथ के अनुसार काव्य शरीर में रस की स्थिति क्या है?

(घ) आचार्य विश्वनाथ के अनुसार काव्य के कितने भेद हैं?

(ङ) साहित्य दर्पण के अनुसार शब्द के त्रिविध भेदों के नाम बताइए।

(च) रति किस रस का स्थायी भाव है?

(छ) साहित्यदर्पण के किस परिच्छेद में महाकाव्य का लक्षण बताया गया है?

(ज) विश्वनाथ के अनुसार नायक के चार भेदों का नाम बताइए।

खण्ड-ब

इकाई-I

2. निम्नांकित में से **किसी एक** कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या कीजिए -

चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।

काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूपये।।

अथवा

वाक्यं स्याद्योग्यताकांक्षासक्तियुक्तः पदोच्चयः।

इकाई-II

3. निम्नांकित में से **किसी एक** कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या कीजिए -

वाच्योऽर्थोऽभिधा बोध्यो लक्ष्यो लक्षणया मतः।

व्यंग्यो व्यंजनया तोः स्युस्तित्रः शब्दस्य शक्तयः।।

अथवा

मुख्यार्थबाधे तद्युक्तौ ययान्योऽर्थ प्रतीयते।

रूढे प्रयोजनाद्वासौ लक्षणा शक्तिरर्पिता।।

इकाई-III

4. निम्नांकित में से **किसी एक** कारिका की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिए -

वक्तृबोद्धव्यवाक्यानामन्यसंनिधिवाच्ययोः।

प्रस्तावदेशकालानां काकोश्चेष्टादिकस्य च।।

अथवा

विभानेनानुभावेन व्यक्तः संचारिणा तथा।

रसतामेति रत्यादिः स्यायीभावः सचेतसाम्।।

इकाई-IV

5. निम्नांकित में से **किसी एक** कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या कीजिए -

वाच्यातिशयिनी व्यंग्ये ध्वनिस्तत्काव्यमुत्तमं।।

अथवा

वस्तुवालंकृतिर्वापि द्विधार्थः सम्भवी रचतः।।

इकाई-V

6. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार नाटक की पंच संधियों का परिचय दीजिए।

अथवा

आचार्य विश्वनाथ के अनुसार पंच अर्थोपक्षेपकों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–स

7. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार काव्य के लक्षण का वर्णन कीजिए।

8. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार रस के भेदोपभेदों का वर्णन कीजिए।

9. गुणीभूतव्यंग्यकाव्य के भेदोपभेदों का वर्णन कीजिए।

10. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार नाटक के लक्षण का वर्णन कीजिए।

------- x -------